आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–24 जुलाई 2024 सान्ध्य समाचार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन की ओर से कल प्रस्तुत किए गए आम बजट के अंतर्गत रेल बजट में उत्तर प्रदेश को उन्नीस हजार आठ सौ अड़तालीस करोड़ रूपये की धनराशि आवंटित हुई है। इसके अंतर्गत 490 रेलवे मार्ग का निर्माण होगा, साथ ही 606 लाइनों का विद्युतीकरण भी होगा।

रेल बजट में प्रदेश के 157 स्टेशनों को अमृत स्टेशन के रूप में विकसित करने को भी शामिल किया गया है। पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक सौम्या माथुर ने आज बताया कि भारतीय रेल को कुल दो लाख, बासठ हजार दो सौ करोड़ रूपये की धनराशि आवंटित की है। आम बजट में रेल संरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके तहत रेल पथ नवीनीकरण, सिग्नल व्यवस्था में सुधार, आरओबी/आरयूबी, ढांचागत विस्तार सरीखे कार्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान वित्त वर्ष में 2500 सामान्य कोच बनाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही दस हजार अतिरिक्त कोच बनाने पर भी स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त बजट आवंटन के चलते पूर्वोत्तर रेलवे शत प्रतिशत विद्युतीकरण की तरफ बढ गया है। मीटर गेज लाइनों को ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया है। वाराणसी मंडल और इज्जतनगर मंडल पूर्ण रूप से ब्रॉड गेज में परिवर्तित हो गया है। लखनऊ मंडल के बहराइच, नानपारा और नेपालगंज रोड खंड के गेज परिवर्तन का कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही तीसरी लाइन निर्माण एवं दोहरीकरण भी तेज हुआ है।

****

सरकारी कार्य में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर प्रदेश सरकार की ओर से कार्यवाही का सिलसिला जारी है। आज जनपद चित्रकूट में स्कूली बस का फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने में लापरवाही बरतने पर जिले के प्राविधिक संभागीय निरीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया, जबकि सहायक संभागीय प्रवर्तन परिवहन अधिकारी के विरूद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की ओर से नियमित शासकीय योजनाओं की समीक्षा की जा रही है और शिथिलता मिलने पर अधिकारियों पर कार्यवाही भी की जा रही है। इसी कड़ी में कल श्री योगी ने प्रदेश में विभिन्न आपदाओं में हुई जनहानि एवं क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा देने में शिथिलता बरतने पर आधा दर्जन से ज्यादा अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा है। इसमें पांच जिलों के एडीएम एफआर को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गयी है, जबकि तीन एसडीएम से स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं, बाढ़ संबंधी कार्यों में लापरवाही पर कानपुर देहात के आपदा विशेषज्ञ को निलंबित कर दिया गया है।

****

सर्वोच्च न्यायालय ने अदालत की कार्य अवधि से संबंधित अपने नियमों में संशोधन किया है। संशोधन के अनुसार नई कार्य अवधि सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक होगी। शीर्ष न्यायालय ने अपनी अधिसूचना में कहा है कि छुट्टियों और दूसरे तथा चौथे शनिवार को अदालत के कार्यालय बंद रहेंगे। नए नियम एक अगस्त से लागू होंगे।

****

काशी वासियों को अब नियमित बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए लंबी कतार नहीं लगानी पड़ रही है। उनकी सहूलियत के लिए काशी द्वार से सीधे बाबा की चौखट पर जाने के लिए विशेष मार्ग खोल दिया गया है। कल से ही भक्त महादेव के दर्शन प्राप्त कर के मंगलकामना कर रहे हैं। नई व्यवस्था के अंतर्गत काशी वासियों को रोजाना सुबह 4 बजे से 5 बजे तक स्पर्श दर्शन और शाम 4 से 5 बजे तक झांकी दर्शन का लाभ मिलेगा। उन्हें इस विशेष मार्ग से प्रवेश के लिए अपना पहचान पत्र दिखाना होगा। श्री काशी विश्वनाथ धाम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि काशी वासियों को बाबा विश्वनाथ का सुगम दर्शन कराने के लिए 13 जुलाई से 21 जुलाई तक काशी द्वार से ट्रायल शुरू हुआ था। ट्रायल और सावन के पहले दिन कुल मिलाकर ग्यारह हजार सात सौ सतहत्तर भक्तों ने बाबा के दर्शन किये। इसकी सफलता के बाद अब ये नियमित कर दिया गया है। नेमी दर्शनार्थियों सहित समस्त काशी वासियों के लिए काशी द्वार श्रावण सोमवार एवं अन्य पर्व विशेष दिवसों के अलावा सामान्य दिनों में उपलब्ध कराया जाएगा।

****

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आज कृषि संकाय में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप निदेशक कृषि अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि गोरखपुर और आसपास के जिले मिलेट्स (मोटे अनाज) की खेती के अनुकूल हैं। कम समय और कम खर्च में किसान मोटे अनाज की पैदावार से अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। मोटे अनाज स्वास्थ के लिए भी काफी बेहतर होते हैं।

****

पूर्वांचल में लगभग विलुप्त हो चुके पनियला के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रदेश सरकार की ओर से कवायद प्रारंभ कर दी गई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से संबद्ध लखनऊ स्थित केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, गोरखपुर स्थित जिला उद्यान विभाग और स्थानीय स्तर के कुछ प्रगतिशील किसान इसके संरक्षण के लिए कार्य कर रहे हैं। पनियला के पत्ते, छाल और जड़ों में एंटी बैक्टिरियल गुण होते हैं। पहले यह पेड़ गोरखपुर, देवरिया और महाराजगंज क्षेत्र में पाए जाते थे।

****